भारत ने पाकिस्तान को हराकर एशिया कप के बहुप्रतीक्षित मुकाबले में रनों के लिहाज से इतिहास की चौथी सबसे बड़ी जीत दर्ज की। भारत ने कोलंबो में पहले बल्लेबाजी करते हुये पाकिस्तान के सामने 357 रनों का बड़ा टारगैट दिया, जिसके जवाब में पाकिस्तान की पूरी टीम 32 ओवर में 128 रन पर ही सिमट गई। पूरे मैच में भारतीय टीम पूरे रंग में नज़र आई और पहले बल्लेबाजी करते हुये भारत ने दो विकेट खोकर 356 रन बनाये। विराट कोहली 122 रन और के. एल राहुल 111 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत ने सोमवार को कल के स्कोर, 24.1 ओवर में 147/2 रन से आगे खेलते हुए 356 रन बनाए और भारत ने सोमवार को रिज़र्व डे के दिन एक भी विकेट नहीं गंवाया तथा 25.5 ओवर में 209 रन बनाए। सोमवार को भी बारिश की वजह से मैच एक घंटे तक रुका रहा। पूरे मैच में भारतीय टीम ने बेहद संतुलित और उम्दा प्रदर्शन किया और पाकिस्तान को एकतरफा अंदाज में हरा दिया।

धौलपुर के छह लोगों की भरतपुर में सड़क दुर्घटना में मौत

- **खाटू श्याम के दर्शन कर घर लौट रहे थे, सभी मृतक परस्पर रिश्तेदार थे।**
- **मरने वालों में दो बच्चे भी हैं, एक साल का बच्चा सुरक्षित बच गया है।**

धौलपुर, (निसं)। भरतपुर जिले के रूपवास थाना क्षेत्र में धौलपुर- भरतपुर हाईवे पर रविवार- सोमवार की रात करीब 1 बजे भीषण सडक हादसा हुआ। जिसमें दो परिवारों के 6 लोगों की दर्दनाक मौत गई। मृतकों में दो बच्चे भी है। घटना में 2 जने घायल हुए हैं। वहीं 1 बच्चा सुरक्षित बच गया।

जानकारी के मुताबिक रिश्ते में साडू लगने वाले 2 परिवारों के 9 लोग खाटू श्याम जी के दर्शन कर अपने घर धौलपुर लौट रहे थे। रास्ते में रात करीब 1 बजे रूपवास इलाके में खान सुरजा पुर गांव के पास गायों को बचाने के चक्कर में बस के ड्राइवर ने सामने से आ रही कार को टक्कर मार दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों के सहयोग से घायलों को रूपवास कस्बे के अस्पताल में भर्ती कराया, जंहा चिकित्सको ने 6 लोगों को मृत घोषित कर दिया। वहीं 2 जनों को जिला अस्पताल भरतपुर रैफर कर दिया।

रूपवास थाने के एएसआई शिवराम यादव ने बताया कि घटना में हरेन्द्र सिंह पुत्र हेतराम लोधा उम्र 32 साल निवासी मिडवे होटल के पीछे धौलपुर, उसकी 30 वर्षीय पत्नी ममता और उसकी 6 वर्षीय बेटी जान्हवी तथा हरेंद्र का साडू संतोष पुत्र सोवरन लोधा उम्र 37 वर्ष निवासी खरगपुर थाना सदर धौलपुर, संतोष की 35 वर्षीय पत्नी सुधा और संतोष के 5 वर्षीय बेटे अनुज की मृत्यु हो गई। वहीं घटना में हरेंद्र के 1 वर्षीय बेटे कान्हा को हल्की खरोंच आई है। कान्हा को पुलिस ने परिजनों के सुपुर्द कर दिया है।

जानकारी के अनुसार मृतक हरेन्द्र सिंह लोधा मूलत: नगला खरगपुर उर्फ हवेली का नगला बसई नवाब गांव का निवासी है, जो फिलहाल मिडवे होटल के पीछे धौलपुर में रहता था। वहीं मृतक संतोष गौशाला कॉलोनी धौलपुर में उत्थान नाम से लाइब्रेरी चलता था। इसके अलाबा गौशाला मोड धौलपुर पर इनकी ई मित्र की दुकान भी संचालित होती थी। घटना से दोनों परिवारों के घरों में, गांव में तथा कॉलोनी में बुरी तरह कोहराम मचा हुआ है और लोगों में गहरा दुख है। हवेली का नगला गांव निवासी विकास लोधी ने बताया कि घटना से गांव में कोहराम मचा हुआ है। हर कोई इस घटना को लेकर स्तब्ध है। पुलिस ने सभी मृतकों के शवों के पोस्टमार्टम करा कर शव परिजनों को सौंप दिए हैं। वहीं घटना की जांच पडताल शुरू कर दी है तथा दोनों वाहनों को जब्त कर लिया है।

पत्रकारों के खिलाफ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आई. सदस्यों को राहत तो दी, लेकिन साथ ही स्पष्ट किया कि वह इस मामले में दर्ज प्राथमिकियों को रद्द करने के पक्ष में नहीं है। पीठ ने कहा कि वह इस विचार कर रही है कि इस मामले को सुनवाई के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय या मणिपुर उच्च न्यायालय को भेजा जाना चाहिए। ई.जी.आई. ने अपनी रिपोर्ट में राज्य में इंटरनेट प्रतिबंध को मीडिया रिपोर्टों के लिए हानिकारक बताया था। कुछ मीडिया आउटलेट्स द्वारा एकतरफा रिपोर्टिंग की आलोचना की थी और दावा किया था कि ऐसे संकेत थे कि राज्य नेतृत्व पक्षपातपूर्ण हो गया था। यह रिपोर्ट दो सितंबर को प्रकाशित की गई थी। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने चार सितंबर को कहा था कि एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया के अध्यक्ष और तीन सदस्यों के खिलाफ एक शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है तथा उन पर राज्य में 'झड़प भड़काने' की कोशिश करने का आरोप लगाया गया है। मानहानि के आरोप के साथ गिल्ड के चार सदस्यों के खिलाफ दूसरी प्राथमिकी भी दर्ज की गई थी।

'सऊदी अरब, भारत का सबसे अहम रणनीतिक साझेदार है'

प्र. मंत्री मोदी और सऊदी अरब के युवराज मोहम्मद बिन सलमान ने, भारत-सऊदी अरब रणनीतिक साझीदारी परिषद की पहली बैठक की संयुक्त रूप से अध्यक्षता की

- **जी-20 सम्मेलन में भारत के बुलावे पर विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में नई दिल्ली आये युवराज मोहम्मद बिन सलमान तब से यहीं रुके हुये हैं।**
- **मोदी ने कहा, कल हमने मिलकर भारत-पश्चिम एशिया और यूरोप के बीच आर्थिक कॉरिडोर स्थापित करने के लिए ऐतिहासिक शुरुआत की है। यह कॉरिडोर केवल दोनों देशों को ही आपस में नहीं जोड़ेगा, बल्कि एशिया, पश्चिम एशिया और यूरोप के बीच आर्थिक सहयोग, ऊर्जा के विकास और डिजिटल कनैक्टिविटी को बल देगा।**

नई दिल्ली, 11 सितंबर (वार्ता)। भारत - सऊदी अरब रणनीतिक साझीदारी परिषद की आज यहां पहली बैठक में दोनों पक्षों ने अपने प्रगाढ़ आपसी सहयोग में आर्थिक सहयोग, उर्जा के विकास और डिजिटल कनेक्टिविटी के नए और आधुनिक आयाम जोड़ने का निर्णय लिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सऊदी अरब के युवराज मोहम्मद बिन सलमान बिन अब्दुल अजीज अल सऊद ने इस बैठक की संयुक्त रूप से अध्यक्षता की।

बैठक के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने अपने प्रेस वक्तव्य में कहा भारत और सऊदी अरब की मित्रता, क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिरता, समृद्धि और मानव कल्याण के लिए महत्त्वपूर्ण है। वर्ष 2019 में उनकी सऊदी अरब की यात्रा के दौरान घोषित भारत-सऊदी अरब रणनीतिक साझीदारी परिषद के नेताओं की पहली बैठक में भाग लेना उनके लिए प्रसन्नता की बात है। इन चार वर्षों में यह परिषद हमारी रणनीतिक साझीदारी को और सुदृढ़ करने के प्रभावी माध्यम के रूप में उभरी है।

मोदी ने कहा इस परिषद के अंतर्गत दोनों समितियों की कई बैठकें हुई हैं, जिनसे हर क्षेत्र में हमारा आपसी सहयोग निरंतर बढ़ रहा है। बदलते समय की ज़रूरतों के अनुसार हम हमारे संबंधों में नए और आधुनिक आयाम जोड़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि भारत के लिए सऊदी अरब हमारे सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक साझीदारों में से है। विश्व की दो बड़ी और तेज़ गति से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं के रूप में हमारा आपसी सहयोग पूरे क्षेत्र की शांति और स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण है।

प्रधानमंत्री ने कहा सऊदी अरब के युवराज के साथ बैठक में हमने हमारी करीबी साझीदारी को अगले स्तर पर ले जाने के लिए कई पहलों की पहचान की है।

आज की हमारी बैठक से हमारे संबंधों को एक नयी ऊर्जा, एक नयी दिशा मिलेगी, और हमें मिलकर मानवता की भलाई के लिए काम करते रहने की प्रेरणा मिलेगी।

स्पाइसजेट अध्यक्ष अजय सिंह को सुप्रीम कोर्ट ने चेतावनी दी

नई दिल्ली, 11 सितंबर (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को स्पाइसजेट के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (सी.एम.डी.) अजय सिंह को 22 सितंबर तक क्रेडिट सुइस को 500,000 डॉलर के साथ-साथ डिफॉल्ट राशि के एक मिलियन डॉलर का भुगतान करने का निर्देश देते हुए चेतावनी दी कि कर्ज नहीं चुकाने पर वह तिहाड़ जेल जाने के लिए तैयार रहे।न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह ने क्रेडिट सुइस और स्पाइसजेट के बीच 2015 से लगभग 24 मिलियन डॉलर के बकाए को लेकर सुनवाई चल रही है।

- **सुप्रीम कोर्ट ने कहा, कर्ज चुका दें वरना तिहाड़ जेल जाने को तैयार रहें। स्पाइसजेट पर 2015 से चल रहे 24 मिलियन डॉलर के लोन डिफॉल्ट केस की सुप्रीम कोर्ट सुनवाई कर रहा है।**

प्रेस कॉन्फ्रेंस में बेसिर-पैर की बातें करने लगे राष्ट्रपति बाइडन

वियतनाम में पत्रकार के सवाल का जवाब देते हुये बाइडन बहक गये और बिना मतलब की बात करने लगे, तब वाइट हाउस स्टाफ ने उनका भाषण रुकवा दिया और लाउड म्यूजिक शुरु कर दिया

- **बाइडन, द्वारा पत्रकारों ने चीन और वैश्विक मुद्दों के संबंध में पूछे सवाल का जवाब दे रहे थे।**

नई दिल्ली, 11 सितम्बर। भारत में आयोजित जी-20 समिट में हिस्सा लेने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन सीधे वियतनाम दौरे पर पहुंचे थे। इस बीच उनका रविवार रात का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करने के दौरान बहक जाते हैं। वह एक पत्रकार के सवाल का जवाब देते हुए कुछ और ही बात करने लगते हैं। इस बीच वाइट हाउस के स्टाफ की ओर से उन्हें बताने की कोशिश होती है कि वह कुछ और बोलने लगे हैं। इस पर भी जब जो बाइडन नहीं समझते तो फिर उनका माइक ही बंद कर दिया जाता है और स्टाफ म्यूजिक बजा देता है।

फिर उनकी प्रेस सचिव कैरिन जियान पियरे की आवाज आती है और वह कहती हैं कि प्रेस कॉन्फ्रेंस यहीं समाप्त होती है, आप सभी का धन्यवाद। एक पत्रकार ने उनसे कुछ सवाल पूछ लिया था। इसके जवाब में बाइडन कहने लगते हैं, हमने स्थिरता को लेकर बात की।

हमने तीसरी दुनिया को लेकर बात की। माफ करें, दक्षिणी गोलार्ध में अब बदलाव होने लगा है। यह सब कुछ हमारे लिए किसी भी तरह के विवाद का विषय नहीं था। उनकी यह बातें पत्रकार के सवाल से एकदम उलट थीं और जब वह बोल रहे थे तो सभी लोग हैरानी के साथ उनकी ही तरफ देखते रहे।

इसी बीच बाइडन की प्रेस सचिव बोलती हैं, सभी को धन्यवाद। इसी के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस समाप्त होती है। इसके बाद माइक बंद कर दिया जाता है, लेकिन जो बाइडन फिर भी बोलते रहते हैं और कुछ समझ नहीं पाते। फिर वाइट हाउस के स्टाफ की ओर से म्यूजिक बजा दिया जाता है ताकि मीडिया के सामने किरकिरी न हो पाए। गौरतलब है कि जो बाइडन के साथ पहले भी कई बार ऐसा हो चुका है, जब वह बात करते हुए अपने विषय से भटक गए। यही नहीं प्लेन में चढ़ने के दौरान कई बार वह लड़खड़ा भी चुके हैं।

माना जाता है कि जो बाइडन बढ़ती उम्र के असर से जूझ रहे हैं। इसी वजह से कई बार अनचाहे वाकये देखने को मिले हैं।

'मेरी लाश भी भाजपा में नहीं जायेगी'

मैसूर, 11 सितंबर (वार्ता)। कर्नाटक में जनता दल (एस) नेता एच.डी. कुमारस्वामी के बयान को हास्यास्पद बताते हुए राज्य के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने सोमवार को कहा कि उनकी लाश भी भारतीय जनता पार्टी में शामिल नहीं होगी।

कुमारस्वामी के बयान पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि वो क्या यहां तक कि उनकी लाश भी भाजपा में शामिल नहीं होगी। कुमारस्वामी ने कहा था कि सिद्दारमैया एक बार भाजपा में शामिल होना चाहते थे और इसके लिए उन्होंने भाजपा के राष्ट्रीय नेताओं से मुलाकात भी की थी।

सिद्दारमैया ने कहा कि वह अपने पूरे राजनीतिक जीवन में वह सांप्रदायिक ताकतों के खिलाफ रहे हैं और इसलिए कुमारस्वामी का बयान हास्यास्पद है। कावेरी मुद्दे पर सिद्दारमैया ने कहा कि इस समस्या का एकमात्र समाधान मेकेदातु परियोजना को चालू करना है लेकिन केंद्र सरकार ने इसकी अनुमति नहीं दे रही है।

उन्होंने कहा कि तमिलनाडु के पास मेकेदातु परियोजना का विरोध करने का कोई कारण नहीं है क्योंकि यह कर्नाटक राज्य में स्थित है। सिद्धारमैया ने तमिलनाडु पर मेकेदातु परियोजना के संबंध में अनावश्यक उपद्रव उत्पन्न करने का आरोप लगाया और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट को मंजूरी नहीं देने के लिए केंद्र सरकार की आलोचना की।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण को अनुमति देने का निर्देश देना है, लेकिन वह इस पर कोई कार्यवाही नहीं कर रहा है।

- **कर्नाटक में जनता दल (एस) नेता एच. डी कुमारस्वामी के बयान को हास्यास्पद बताते हुए राज्य के मु.मंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि , उनकी लाश भी भारतीय जनता पार्टी में शामिल नहीं होगी।**

नाथूराम मिर्धा की पोती ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इस दौरान राष्ट्रीय महामंत्री व प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह प्रदेश अध्यक्ष सी.पी. जोशी सांसद भागीरथ चौधरी भी मौजूद थे। ज्योति मिर्धा मारवाड़ के ताकतवर सियासी परिवार से संबंध रखती हैं। वे कांग्रेस के कद्दावर जाट नेता रहे स्व. नाथूराम मिर्धा की पोती हैं। भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने के बाद ज्योति मिर्धा ने कांग्रेस में कार्यकर्ताओं की अनदेखी होने और गलत दिशा में जाने का मुद्दा उठाकर निशाना साधा। उन्होंने कहा, हम राष्ट्र निर्माण में एक भूमिका निभाना चाहते हैं, मुझे वहां पर इसके अवसर कम दिखाई दे रहे थे। मिर्धा ने कहा कि महिला अत्याचार, कानून व्यवस्था को लेकर आज जो स्थिति राजस्थान में है, वह ठीक नहीं है। पार्टी के कई लोग ऐसी घुटन महसूस कर रहे थे, उन्होंने कांग्रेस का परिवार छोड़कर भाजपा को अपनाया है। ज्योति मिर्धा ने कहा कि मैंने कांग्रेस से जब अपना राजनीतिक जीवन शुरू किया था तो 2009-14 तक सांसद बनने का मौका मिला था, लेकिन उसके बाद से अंतर्राष्ट्रीय लेवल से लेकर देश और मेरे निर्वाचन क्षेत्र तक परिस्थितियां काफी बदल गईं। हमारे प्रधानमंत्री ने कुशल नेतृत्व दिया। इसके विपरीत कांग्रेस में पिछले कुछ समय में हमने जब भी अपनी बात रखी, कभी सुनी गई, कभी नहीं ।

वे विपरीत दिशा में चल रहे हैं। राजनैतिक जानकारों का कहना है कि ज्योति मिर्धा अब नागौर लोकसभा सीट पर भाजपा की मजबूत दावेदार हो सकती हैं। माना जा रहा हैं कि मिर्धा को भाजपा नागौर लोकसभा सीट से चुनाव में उतार सकती है। पिछले लोकसभा चुनाव में ज्योति मिर्धा कांग्रेस से लोकसभा उम्मीदवार थीं। वे एनडीए के उम्मीदवार हनुमान बेनीवाल से हार गई थीं। हनुमान बेनीवाल भाजपा के साथ गठबंधन करके चुनाव लड़े थे। अब उनका भाजपा से गठबंधन टूट चुका है। भाजपा को नागौर से मजबूत चेहरे की तलाश थी।

ज्योति मिर्धा के भाजपा में शामिल होने से अब कांग्रेस और भाजपा के सियासी समीकरण बदल गए हैं। हनुमान बेनीवाल के लिए अब नागौर की सीट सियासी रूप से बहुत मुश्किल हो गई है। हनुमान बेनीवाल अकेले लड़ते हैं तो उनके लिए राह आसान नहीं होगी।

मिर्धा परिवार की हरियाणा के पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा के परिवार से रिश्तेदारी है। ज्योति मिर्धा की बहन श्वेता मिर्धा भूपेंद्र हुड्डा के बेटे और राज्यसभा सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा की पत्नी हैं। माना जा रहा है कि मिर्धा परिवार के और नेता भी भाजपा में जा सकते है। जॉइन करने की चर्चाएं जोर पकड़ रही हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रिछपाल मिर्धा और उनके उनके बेटे डेगाना विधायक विजयपाल मिर्धा के भी भाजपा में जाने की अटकलें लगाई जा रही हैं। रिछपाल मिर्धा ज्योति मिर्धा के चाचा हैं।

''नगर दर्शन''...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उद्घाटन में प्रधानमंत्री तथा 500 साधुओं की प्रमुख भूमिका होगी।

भव्य राम मंदिर, जो उनकी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है, के उद्घाटन के बाद ही, प्रधानमंत्री मोदी लोकसभा चुनाव -प्रचार की कमान संभालेंगे।

लीज़ शर्तों का उल्लंघन, फिर भी वापस क्यों नहीं ली 205 बीघा ज़मीन

- **राजस्थान हाई कोर्ट ने राज्य सरकार से जवाब तलब किया और कहा, क्यों न मामले की जांच सी.बी.आई. से करवाई जाए।**

जयपुर, 11 सितंबर (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने टोंक रोड पर कैपस्टन मीटर को औद्योगिक उद्देश्य के लिए दी गई जमीन की लीज़ शर्तों की अवहेलना करने के बाद भी राज्य सरकार की ओर से जमीन वापस नहीं लेने पर प्रमुख यूडीएच सचिव और जेडीए आयुक्त सहित केन्द्र सरकार व अन्य से जवाब तलब किया है। जस्टिस एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस शुभा मेहता की खंडपीठ ने यह आदेश डॉ. जय नारायण त्रिवेदी की जनहित याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने पूछा है कि क्यों ना मामले की जांच सीबीआई या अन्य किसी निष्पक्ष जांच एजेंसी से कराई जाए।

याचिका में अधिवक्ता तनवीर अहमद ने अदालत को बताया कि राज्य सरकार ने वर्ष 1965 में गोपालपुरा पुलिया के पास स्थित इस 205 बीघा भूमि को कैपस्टन मीटर प्रा. लि. को औद्योगिक उद्देश्य के लिए लीज़ पर दिया था। लीज़ में यह शर्त थी कि जिस उद्देश्य के लिए जमीन लीज पर दी गई है। वहीं उद्देश्य पूरा नहीं होता है तो जमीन स्वत: ही राज्य सरकार में निहित हो जाएगी। इसके अलावा लीज़ दस्तावेजों से स्पष्ट है कि यह भूमि आवंटी न तो किसी अन्य उपयोग में लेगा और ना ही हस्तांतरित कर सकेगा।

याचिका में कहा गया कि इसके बावजूद भी जमीन का कुछ हिस्से को मैसर्स जय डिंक्स प्रा. लि. को सब-लीज पर दे दिया गया। दोनों कंपनियों के निदेशक भी एक ही जयपुरिया परिवार से संबंध रखते हैं। वहीं इस भूमि के एक हिस्से में उच्च अधिकारियों और राजनेताओं की शह पर ज्वैल्स ऑफ इंडिया नाम से रिहायशी फ्लैट्स की बहुमंजिला इमारत बना दी गई। याचिका में यह भी कहा गया कि बिल्डर के दबाव में इस जमीन के व्यावसायिक उपयोग की भी अनुमति दे दी गई। जेडीए के तत्कालीन विधि निदेशक दिनेश गुप्ता ने अपनी विस्तृत टिप्पणी में इस कृत्य को भ्रष्टाचार की संज्ञा देते हुए मामले की जांच निष्पक्ष जांच एजेंसी से करने की विधिक राय दी, लेकिन उनका निदेशक पद से तबादला कर दिया गया। याचिका में गुहार की गई की मामले की जांच सीबीआई से कराई जाए और जमीन को राज्य सरकार वापस अपने स्वामित्व में ले। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस की कई समितियाँ गठित

नई दिल्ली, 11 सितम्बर (वार्ता)। कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनावों के मद्देनजर कोर कमेटी, प्रचार समिति, संचार समिति सहित कई समितियों का गठन किया है।

कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इन समितियों के नामों का ऐलान किया है। उन्होंने बताया कि कोर समिति का संयोजक प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा को बनाया गया है जबकि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, दीपक बैज, टी.एस. सिंह देव, डा.चरण दास महंत, ताम्रध्वज साहू और शिव कुकार डहरिया को इसका सदस्य बनाया गया है।

चुनाव प्रचार समिति का अध्यक्ष डा.चरण दास महंत को बनाया गया है जबकि भूपेश बघेल, टी.एस. सिंह देव, ताम्रध्वज साहू, रवींद्र चौबे, मोहम्मद अकबर, शिवकुमार डहरिया, कवासी लकमा,प्रेमसाय सिंह टेकाम, अनिला भेंडिया,जय सिंह अग्रवाल, गुरु रुद्र कुमार, मोहन मरकाम, उमेश पटेल, संत कुमार नेताम आदि शामिल है।

जी-20 शिखर सम्मेलन में मोदी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विशेषज्ञों का कहना है कि भारत ने समावेशी कूटनीति का एक नया मॉडल तैयार किया है। 2023 के जी-29 सम्मेलन तक पुतिन और शी के नहीं आने पर ध्यान ज्यादा केन्द्रित था। प्रेक्षकों का कहना है कि उन्हें लगता थाकि उनकी अनुपस्थिति भारत का निरादर था और यह भारत की अध्यक्षता तथा जी-20 के उसके उद्देश्यों को हल्का कर देगा। लेकिन जब सम्मेलन समाप्त होने लगा तो यह स्पष्ट हो गया कि भारत के उद्देश्य पटरी से नहीं उतरे और तीन प्रमुख थीम उभरीं- सर्वसम्मति, समावेश और समाधान।

सर्वसम्मति: भारत की अध्यक्षता के पूरे दौर में रुस-यूक्रेन युद्ध हावी रहा और जी-20 देश विभाजित हो गए। यह अस्पष्ट था कि इस विवाद का क्या हल होगा और क्या यह जी-20 के अंतिम समझौते को प्रभावित करेगा। लेकिन 300 द्विपक्षीय बैठकों और 200 घंटे के विचार विमर्श और 15 प्रारुप के बाद मोदी और उनकी टीम जी-20 के अंतिम प्रारुप में रुस-यूक्रेन वाले अंश पर सर्वसम्मति जुटाने में सफल रही।

समावेश: दक्षिणी विश्व की आवाज बनने के प्रयास में भारत ने अफ्रीकन यूनियन को जी -20 का स्थायी सदस्य बना लिया। भारत ने विश्व बैंक तथा अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष जैसे वैश्विक संस्थानों में सुधार का प्रस्ताव रखा जिस पर सारे देश सहमत हो गए।

समाधान: भारत ने अपनी डिजिटल सार्वजनिक आधारभूत ढांचा योजना को सफलतापूर्वक प्रवर्तित किया वित्तीय समावेश के निर्यात योग्य तकनीकी समाधान के रुप में। यह अस्पष्ट है कि क्या अन्य देश भारत की डिजिटल योजना का अनुसरण कर सकते हैं, लेकिन उसे सामान्य पूंजीगत निवेश से बढ़कर एक तरीका विकसित कर लिया है।

60 से ज्यादा भारतीय शहरों में 200 से ज्यादा बैठकें कर भारतीय अधिकारी भारत की अध्यक्षता को दक्षिणी विश्व की दबी हुई आवाज का प्रतिनिधि बनाने में लगे थे।

हालांकि पुतिन और शी के न आने से भारत निराश हुआ लेकिन जी-20 सम्मेलन इस बारे में नहीं था कि कैसी कूटनीति हुई बल्कि इसलिए था कि कैसी कूटनीति होनी चाहिए। अंत में भारत ने अपनी कूटनीति से साबित कर दिया कि वह वर्तमान भूराजनैतिक असहमतियों का मुकाबला कर सकता है और वर्षों से उपेक्षित देशों का प्रतिनिधित्व कर सकता है।

चीन ने निजी भूराजनैतिक विषय अंतर्राष्ट्रीय मंच पर लाने का आरोप भारत पर लगाया और कहा कि इससे जी-20 के मेजबान के रुप में जिम्मेवारी पूरी नहीं होंगी और समस्याएं बढ़ेंगी।

भारत ने पहले अरुणाचल प्रदेश और कश्मीर सहित क्षेत्रों में जी-20 बैठेंगे आयोजित कीं, जिन पर क्रमश: चीन और पाकिस्तान दावा करते हैं।

अपने वीचैट एकाउंट में थिंक टैंक ने कहा, ''कूटनीतिक और जनता की राय में खलबली मचाने के अलावा विवादित क्षेत्रों में भारत द्वारा बैठकें आयोजित करने से जी-20 बैठकों का सहयोगामक वातावरण नष्ट होता है और उपलब्धियों में रुकावट आती है।

थिंक टैंक ने यह भी आरोप लगाया कि चीन की आलोचना करने के लिए भारत ऋण पुनर्गठन के मुद्दे का फायदा उठा रहा है और ''ऋण जाल'' के कथन को बढ़ा -चढ़ाकर बताने के लिए अमेरिका और पश्चिमी देशों से गठजोड़ कर रहा है।

उसका प्रभाव बीजिंग के उस प्रावधान पर पड़ रहा है जिसके तहत आर्थिक रुप से कमजोर देशों को आवश्यक आधारभूत परियोजनाओं जैसे बंदरगाह और सड़कों के लिए ऋण दिया जाता है।

थिंक टैंक ने चेतावनी दी कि भारत के कदम मतभेदों को बढ़ा सकते हैं, अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की सर्वसम्मति में बाधा बन सकते हैं और अपनी अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठा घटा सकते हैं।

क्या मध्य प्रदेश में संघ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नेता, मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार के बारे में विशेषरुप से तथा अन्य भाजपा सरकारों के बारे में आर.एस.एस. के पूर्व प्रचारकों द्वारा व्यक्त किए जा रहे विचारों और भावनाओं को उछाल सकते हैं।

मध्य प्रदेश की शिवराज सिंह चौहान सरकार चुनाव के ऐन पहले यह सब नहीं चाहेगी, क्योंकि चुनाव-पूर्व सर्वेक्षण कांग्रेस की बढ़त बता रहे हैं। अभय जैन के साथ-साथ पूर्व प्रचारक होने का दावा करने वाले मनीष काले और विधाल बिंदल नवगठित जनहित पार्टी के प्रमुख नेता होंगे।

अभय जैन के अनुसार, लोग स्वच्छ राजनीति की आस लगाए हैं, और भाजपा सहित सभी पार्टियां राजनीति के इस पहलू से विमुख हो गई हैं। उन्होंने कहा कि, जनहित पार्टी आगामी चुनाव में भाजपा सरकार को टक्कर देगी।

जनहित पार्टी का गठन करने वाले, मध्य प्रदेश आर.एस.एस. में जिम्मेवार एवं प्रमुख पदों पर रहे इन वरिष्ठ नेताओं द्वारा रविवार को की गई घोषणा एक ऐसा कदम है जो राज्य सरकार एवं सत्तारूढ़ पार्टी के लिए समस्याएं खड़ी कर सकता है। इस घोषणा से भाजपा में हर स्तर पर खलबली मची हुई है, हालांकि अधिकारिक रूप से इसे कुछ असंतुष्ट तत्वों की हरकत मात्र बताया जा रहा है।

लेकिन कुछ लोग हैं जो जनहित पार्टी का एक गुप्त लेकिन ऐसा सकारात्मक प्रभाव भी मान रहे हैं, जो सत्ता-विरोधी वोटों को कांग्रेस की ओर जाने से रोक सकता है और भाजपा की मदद कर सकता है, विशेषकर उन सीटों पर जहाँ जीत का अंतर कम रहा है।

भोपाल के एक राजनैतिक विश्लेषक के अनुसार, संभावना है कि, जनहित पार्टी द्वारा कई मुद्दों पर भाजपा सरकार को घेरने की घोषणा करने के बाद, भाजपा के लिए एक नया सिरदर्द पैदा हो जाएगा।

आरंभ में जनहित पार्टी लोगों में यह चेतना लाएगी कि, मध्य प्रदेश में सत्तारूढ़ भाजपा, पार्टी के संस्थापकों के आदर्शों से बहुत दूर चली गई है और हिंदुत्व के कोर एजेंडा से हट गई है।

जैन ने कहा कि, जनहित पार्टी चुनाव में उतरने की भी सोच रही है। इससे सत्तारुढ़ पार्टी के लिए भीषण संघर्ष वाली सीटों पर स्थिति अवश्य खराब होगी।

'भाजपा नेता...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चढ़ कर दिखावा कर रहे हैं।

पायलट ने कहा कि, भारतीय जनता पार्टी के ये रथ पर चढ़ कर ढोंग कर रहे नेता किसी भी मुद्दे को लेकर पूरे पांच साल धरातल पर नहीं दिखे थे। लेकिन अब चुनाव नजदीक आते ही बरसाती मेंढक की तरह चारों ओर दिखाई देने लगे हैं।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908